

प्रेषक,

एन10एस10नपलच्याल,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,  
हरिद्वार।

राजस्व विभाग

देहरादून: दिनांक: 12 अगस्त, 2005

विषय:-श्री ओम प्रकाश महेश्वरी को खादी ग्रामोद्योग योजना (मार्जिन मनी योजना) के अन्तर्गत प्लारिस्टिक उद्योग की स्थापना हेतु ग्राम औरंगाबाद, तहसील हरिद्वार में कुल 0.097 है० भूमि कय की अनुमति प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-25/भूमि व्यवस्था दिनांक 11 जुलाई, 2005 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय श्री ओम प्रकाश महेश्वरी को खादी ग्रामोद्योग योजना (मार्जिन मनी योजना) के अन्तर्गत प्लारिस्टिक उद्योग की स्थापना हेतु उत्तरांचल (उ०प्र० जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम, 1950) (अनुकूलन एवं संपन्नतरण आदेश, 2001) (संशोधन) अधिनियम, 2003 दिनांक 15-1-2004 की धारा-154(4)(3)(क)(V) के अन्तर्गत ग्राम औरंगाबाद तहसील रुड़की में कुल 0.097 है० भूमि कय करने की अनुमति निम्नलिखित प्रतिकन्धों के साथ प्रदान करते हैं:-

1- केता धारा-129-ख के अधीन विशेष श्रेणी का भूमिधर बना रहेगा और ऐसा भूमिधर भविष्य में केवल राज्य सरकार या जिले के कलेक्टर, जैसी भी स्थिति हो, की अनुमति से ही भूमि कय करने के लिये अर्ह होगा।

2- केता बैंक या वित्तीय संस्थाओं से ऋण प्राप्त करने के लिये अपनी भूमि बन्धक या दृष्टि बन्धित कर सकेगा तथा धारा-129 के अन्तर्गत भूमिधरी अधिकारों से प्राप्त होने वाले अन्य लाभों को भी ग्रहण कर सकेगा।

3- केता द्वारा कय की गई भूमि का उपयोग दो वर्ष की अवधि के अन्दर, जिसकी समाप्ति भूमि के विषय विलेख के पंजीकरण की तिथि से की जायेगी अथवा उससे बाद ऐसी अवधि के अन्दर जिसको राज्य सरकार द्वारा ऐसे कारणों से जिन्हें लिखित रूप में अभिलिखित किया जायेगा, उसी प्रयोजन के लिये करेगा जिसके लिये अनुज्ञा प्रदान की

 (2)

गई है। यदि वह ऐसा नहीं करता अथवा उस भूमि का उपयोग जिसके लिये उसे रवीकृत किया गया था, उससे गिन्ना विलसी अन्य प्रयोजन हेतु करता है अथवा जिस प्रयोजनार्थ कय किया गया था उससे गिन्ना प्रयोजन के लिये विकय, उपहार या अन्यथा भूमि का अन्तरण करता है तो ऐसा अन्तरण उक्त अधिनियम के प्रयोजन हेतु शून्य हो जायेगा और धारा-167 के परिणाम लागू होंगे।

4- जिस भूमि का संकगण प्रस्तावित है उसके भूस्वामी अनुसूचित जनजाति के न हों और अनुसूचित जाति के भूमिधर होने की स्थिति में भूमि कय से पूर्व सम्बन्धित जिलाधिकारी से नियमानुसार अनुमति प्राप्त की जायेगी।

5- जिस भूमि का संकगण प्रस्तावित है उसके भूस्वामी असंक्रमणीय अधिकार वाले भूमिधर न हों।

कृपया तदनुसार आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(एन0एस0नपलब्धाल)

प्रमुख सचिव।

संख्या एवं तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूधनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- मुख्य राजस्व आयुक्त, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- आयुक्त, गढ़वाल गण्डल, पौड़ी।
- 3- सचिव, औद्योगिक विकास विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 4- श्री ओम प्रकाश महेश्वरी निवासी डी-149 प्रीत विहार, दिल्ली।
- 5- एन0आई0सी0 उत्तरांचल, देहरादून।
- 6- मार्टे फाईल।

आज्ञा से,

(सोहन लाल)

अपर सचिव।

a